

बड़े भाई साहब

कक्षा—दस



लेखक— प्रेमचंद

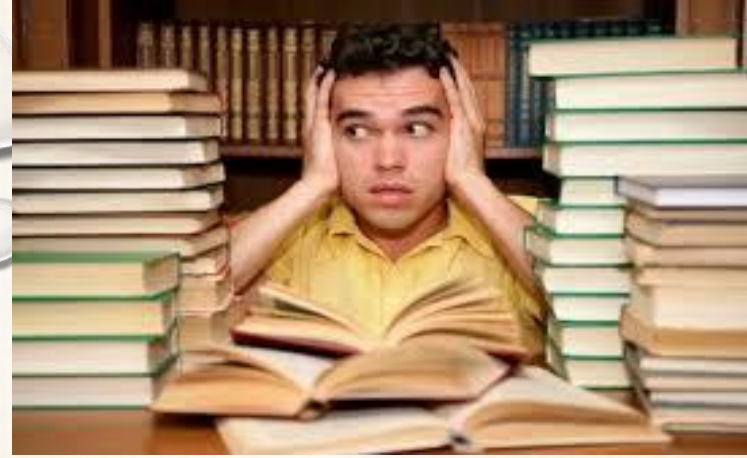
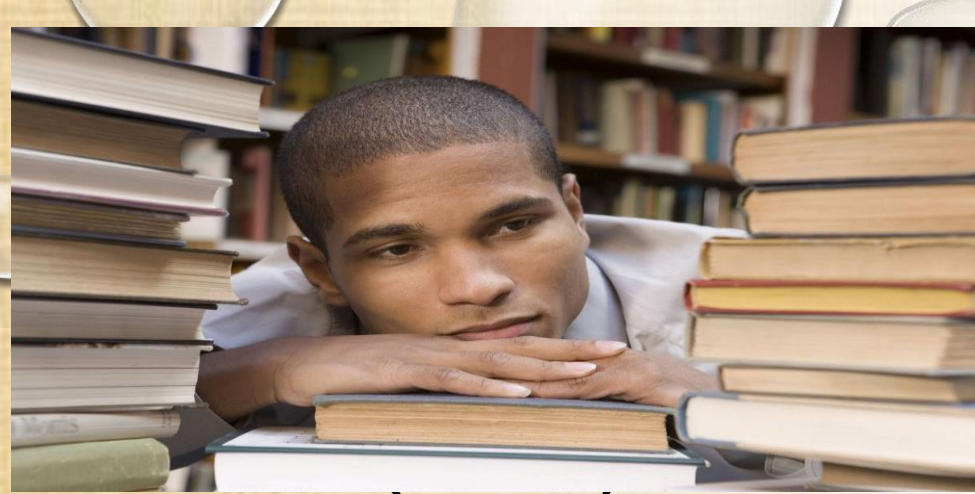


परिचय

31 जुलाई 1880 को बनारस के करीब लमही गाँव में जन्मे धनपत राय ने उर्दू में गुलाब राय और हिंदी में प्रेमचंद नाम से लेखन कार्य किया। निजी व्यवहार और

पत्राचार धनपत राय नाम से ही करते रहे।

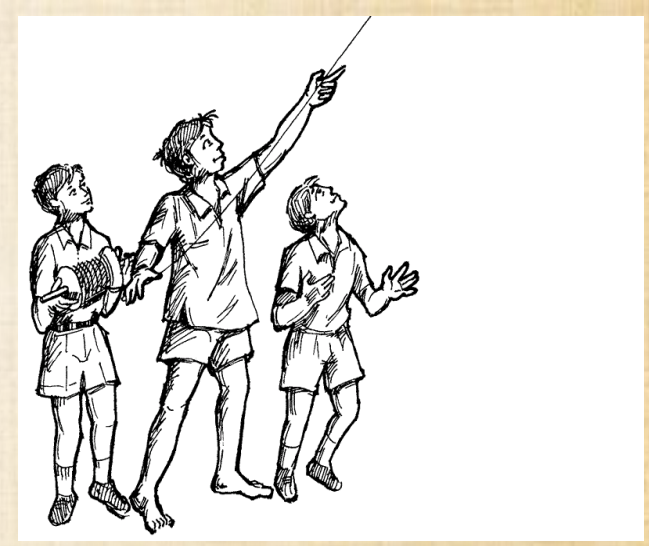
8 अक्टूबर 1936 में उनका देहावसान हुआ। प्रेमचंद ने जितनी भी कहानियाँ लिखीं वे सब मानसरोवर शीर्षक से आठ खंडों में संकलित हैं। उनके प्रमुख उपन्यास हैं—गोदान, गबन, प्रेमाश्रम, सेवासदन, निर्मला, कर्मभूमि, रंगभूमि, कायाकल्प, प्रतिज्ञा और मंगलसूत्र



बड़े भाई साहब की विशेषताएं—
वह स्वभाव से बड़े अध्ययनशील थे। हरदम किताब खोले बैठे रहते और शायद दिमाग को आराम देने के लिए कभी कॉपी पर, किताब के हाशियों पर चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों की तसवीरें बनाया करते थे। कभी—कभी एक ही नाम दस—बीस बार लिख डालते। उत्तरदायित्व निभाते थे। तर्कमय प्रस्तुति देते थे।



छोटे भाई की विशेषताएं—



- जी पढ़ने में बिल्कुल न लगता था ।
- हमेशा खेलना पसन्द था ।
- समय तालिका बनाता था ।
- समय तालिका में खेलने के लिए स्थान नहीं होता था ।
- बच्चों को खेलता देखकर स्वयं को रोक नहीं पाता था ।
- पढ़ने में होशियार था ।
- कक्षा में प्रथम आता था ।